शोध केंद्र
एवं पीएच-डी प्रवेश

- मौलिक शोध को बढ़ावा देने और शोध संबंधी समस्त कार्यों को संपादित करने के प्रयोजन से विश्वविद्यालय के शैक्षणिक परिसर, खासा कोठी में शोध केंद्र की स्थापना की गई है। इस शोध केंद्र का उद्देश्य शोधार्थियों को शोध संबंधी मार्गदर्शन उपलब्ध कराना और स्तरीय शोध के लिए प्रेरित करना है। शोध प्रक्रिया को निर्बाध सम्पन्न कराने और शोध कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु विश्वविद्यालय शोध बोर्ड का गठन किया गया है।
- इस सत्र से विश्वविद्यालय यूजीसी के नियमों के अनुसार मीडिया अध्ययन विभाग और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग में पीएच-डी के लिए शोध पाठ्य-योजना आरंभ करने जा रहा है। पीएच-डी पाठ्य-योजना में प्रवेश, प्रवेश परीक्षा (HJUPAT) और साक्षात्कार के संयुक्त अंकों के आधार पर होगा। किसी भी विषय में स्नातकोत्तर (पीजी) किए अभ्यर्थी प्रवेश परीक्षा में शामिल हो सकेंगे।

<u>प्रवेश पात्रता</u>

- पीएच-डी पाठ्य-योजना में प्रवेश के लिए केवल वही अभ्यर्थी पात्र होंगे, जो किसी भी विषय की स्नातकोत्तर परीक्षा में कम से कम 55% अंकों के साथ उत्तीर्ण होंगे। **सत्र 2020-21 में स्नातकोत्तर उत्तरार्द्ध परीक्षा में शामिल विद्यार्थी भी पीएच-डी प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं ।**
- अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/ पिछड़ा वर्ग/ अति पिछड़ा वर्ग/ आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग/ विशेष योग्यजन एवं विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर निर्णीत अभ्यर्थियों के अन्य संवर्गों को 5% अंको की छूट यानि 55% के बजाय 50% अंकों पर पात्रता होगी।
- एमफिल/नेट/जेआरएफ/स्लेट/सीएसआइआर/शिक्षक फैलोशिप धारक अभ्यर्थियों को प्रवेश परीक्षा से किसी भी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी।
- किसी भी स्थायी शिक्षक को, जिसने कि यूजीसी की योग्यतानुसार नियमित वेतनमान पर विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग या संबद्ध महाविद्यालय में तीन वर्ष की निरंतर सेवा दी हो, उसे भी प्रवेश परीक्षा से किसी भी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी।

<u>छूट</u>

- सांस्कृतिक विनियम फैलोशिप/सरकार द्वारा विदेशी अनुदान प्राप्त विद्यार्थी को प्रवेश परीक्षा (HJUPAT) में छूट दी जा सकती है। इसके लिए एक स्व-वित्तपोषित विदेशी विद्यार्थी को किसी भी संकाय के विद्यार्थी के रूप में प्रवेश परीक्षा (HJUPAT) अर्हता प्राप्त करने की आवश्यकता होगी।
- विदेशी विद्यार्थी को तभी प्रवेश दिया जा सकेगा जब उसने इसके लिए आवेदन किया हो और वह शोध वीजा पर भारत आया हो।

<u>प्रवेश प्रक्रिया</u>

- पीएच-डी पाठ्य-योजना में प्रवेश, प्रवेश परीक्षा (HJUPAT) के आधार पर दिया जाएगा।
- प्रवेश परीक्षा में न्यूनतम 50% प्राप्तांक वाले अभ्यर्थी ही पीएच-डी पाठ्य योजना में प्रवेश के पात्र होंगे। अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/ पिछड़ा वर्ग/ अति पिछड़ा वर्ग/ आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग/ विशेष योग्यजन को 5% अंकों की छूट यानि 50% की बजाय 45% अंकों पर यह पात्रता होगी।

- प्रवेश परीक्षा (HJUPAT) में सफल हुए (सूची में स्थान पाए) विद्यार्थियों का साक्षात्कार होगा और प्रवेश परीक्षा और साक्षात्कार दोनों के संयुक्त अंकों के आधार पर मैरिट बनाई जाएगी। उसी मैरिट के आधार पर पीएच-डी पाठ्य-योजना में प्रवेश दिया जाएगा। विश्वविद्यालय के विभागों की रिक्त सीटों पर ही प्रवेश दिया जा सकेगा।

<u>सत्र 2021-22 के लिए सीटों का विवरण</u>

- इस सत्र में पीएच-डी में पंजीकरण के लिए कुल 15 सीटें रिक्त हैं ।
- इन 15 सीटों का आरक्षणवार विवरण अग्रांकित है :

क्र.सं:	**श्रेणी**	**सीटें**
1	अनुसूचित जाति	2
2	अनुसूचित जनजाति	2
3	पिछड़ा वर्ग	3
4	अति पिछड़ा वर्ग	1
5	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	2
6	अनारक्षित	5
कुल		**15**

<u>प्रवेश परीक्षा का पाठ्यक्रम</u>

- प्रवेश परीक्षा (HJUPAT) का पाठ्यक्रम का 50% हिस्सा शिक्षण और शोध अभिवृत्ति पर तथा 50% हिस्सा जनसंचार और पत्रकारिता पर आधारित होगा।

<u>कोर्स वर्क</u>

- पीएच-डी पाठ्य-योजना में प्रवेश के बाद शोधार्थी को अनिवार्य रूप से कोर्स वर्क करना होगा। कोर्स वर्क शैक्षणिक परिसर, खासा कोठी में आयोजित किया जाएगा। कोर्स वर्क को पीएच-डी की तैयारी के रूप में माना जाएगा। कोर्स वर्क में कुल चार पेपर होंगे।

<u>समन्वयक, शोध केन्द्र</u> – डॉ. अजय कुमार सिंह, सहायक प्रोफेसर